वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 68 शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों को आवास-फ्लेट्स आवंटन समारोह

# पक्के घरों से आवासहीनों को मिलेगी सम्मान और सुरक्षा: भजनलाल

## वंचित वर्गों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

### मुख्यमंत्री ने सौंपे आवंटन पत्र, 473 परिवारों को मिली खुशियों की चाबी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए उनके आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवार, जो समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं उनके आवास, शिक्षा सहित बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री गुरुवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों को आवास-फ्लेट्स आवंटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूरतमदों एवं वंचितों को संबल प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे अंतिम पायदान के व्यक्ति तक राहत पहुंच रही है। उन्होंने विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों और युवाओं को पढ़ाएं, योग्य बनाएं और राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही, उन्होंने आमजन से जरूरतमदों एवं पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्परता से कार्य करने की अपील की ताकि उनके जीवन में ज्योति फैल सके। मुख्यमंत्री ने चिन्हित लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवंटन पत्र और चाबी सौंपते हुए कहा कि जयपुर में 473 परिवारों को आवास दिए गए हैं। जयसिंहपुरा खोर की आवासीय योजना में लाभार्थियों को एक बेडरूम-हॉल-किचन युक्त आवास मिला है। वहीं, कोटा में 50 फ्लैट और जोधपुर में 80 भूखंड आवंटन के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पक्के घर का आवंटन पत्र लाभार्थी परिवारों के सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य का अधिकार-पत्र है। राज्य सरकार हर जिले में आवश्यकता का आकलन कर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की सूची में जोड़ रही है।

### 71 हजार से अधिक को घुमन्तू पहचान प्रमाण-पत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि घुमन्तू, अर्द्धघुमन्तू एवं विमुक्त आवासहीन परिवारों एवं बीपीएल परिवारों को अब तक 2 लाख 67 हजार से अधिक पट्टे जारी कर चुके हैं। इन समुदायों के सशक्तीकरण एवं उत्थान की दृष्टि से दादूदयाल घुमन्तू सशक्तीकरण योजना भी शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू समुदायों की कुल 32 जातियां अधिसूचित हैं। इन जातियों को पहचान प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर अब तक कुल 71 हजार से अधिक घुमन्तू पहचान प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सर्वांगीण विकास की ओर तेजी से अग्रसर है। उनकी ''सबका साथ-सबका विकास'' की मूल भावना के अनुरूप गरीब और जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवासहीन परिवारों के घर का सपना पूरा हो रहा है। कार्यक्रम में विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता, समाजसेवी महेन्द्र सिंह राजावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा विमुक्त, घुमन्तू और अर्द्धघुमन्तू परिवार उपस्थित रहे। वहीं, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, संदीप शर्मा, कल्पना देवी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

### भूमि के अधिकार पर तेजी से कार्य जारी

राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में घुमन्तू, अर्द्धघुमन्तू, गाड़िया लोहार एवं कालबेलिया समुदाय के परिवारों को अब तक 838 भूखंड एवं 106 फ्लैट आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री घुमन्तू आवास योजना के अंतर्गत 303 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास के साथ-साथ भूमि के अधिकार की दिशा में भी तेजी से काम किया है। इन समुदायों के परिवारों को कुल 22 हजार 790 पट्टे वितरित किए गए हैं। वहीं, ग्रामीण सेवा शिविरों में अतिरिक्त 15 हजार 412 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं।

# सिरदर्द

सिरदर्द स्वयं कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि कई अलग-अलग कारणों से होने वाला एक लक्षण है। अधिकांश सिरदर्द गंभीर नहीं होते, लेकिन अचानक बहुत तेज सिरदर्द या अन्य न्यूरोलॉजिकल लक्षण होने पर तुरंत चिकित्सकीय जांच की आवश्यकता होती है।

## 1. सिरदर्द के प्रमुख लक्षण

सिर में दर्द, दबाव या भारीपन महसूस होना।
माथे, कनपटी, सिर के पीछे या आगे अथवा पूरे सिर में दर्द होना।
धड़कने जैसा दर्द महसूस होना।
प्रकाश या तेज आवाज से परेशानी होना अथवा उन्हें सहन न कर पाना।
कभी-कभी मतली या उल्टी होना।
चक्कर या कमजोरी महसूस होना।
आंखों में तनाव या दर्द होना।
गर्दन एवं कंधों में जकड़न महसूस होना।
माइग्रेन में कभी-कभी आंखों के सामने चमक या दृश्य में परिवर्तन होना।

## 2. सिरदर्द के प्रमुख कारण

तनाव, चिंता और मानसिक थकान।
नींद की कमी या अनियमित नींद।
लंबे समय तक मोबाइल या कंप्यूटर देखने के कारण आंखों पर पड़ने वाला दबाव।
आंखों का नंबर होने या आंखों पर अधिक दबाव पड़ने के कारण।
शरीर में पानी की कमी या पाचन ठीक न होने के कारण।
भोजन देर से करने, भोजन छोड़ने या अधिक देर तक भूखे रहने के कारण।
अत्यधिक चाय, कॉफी या कैफीन के सेवन से।
सर्दी-जुकाम या साइनस की समस्या के कारण।
गर्दन की मांसपेशियों में खिंचाव रहने के कारण।
तेज धूप या गर्मी के कारण।
माइग्रेन के कारण।
कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव के कारण।
उच्च रक्तचाप में, विशेषकर बहुत अधिक रक्तचाप होने पर, सिरदर्द हो सकता है।

3. सिरदर्द के प्रकार

### 1 टेंशन हेडेक

यह सिरदर्द का सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें सिर के चारों ओर कसाव या दबाव जैसा दर्द महसूस हो सकता है। यह तनाव, चिंता या किसी बात को लेकर अधिक सोचने के कारण भी हो सकता है।

### 2 माइग्रेन

इसमें अक्सर सिर के एक तरफ धड़कता हुआ सिरदर्द होता है। इसके साथ मतली तथा प्रकाश या आवाज से परेशानी बढ़ सकती है।

### 3 क्लस्टर हेडेक

इसमें बहुत तेज दर्द होता है, जो प्रायः आंख के आसपास महसूस होता है। एक तरफ की आंख से पानी आना या नाक बंद होना अथवा बहना भी हो सकता है।

### 4 साइनस से संबंधित सिरदर्द

साइनस संक्रमण में चेहरे या माथे में दबाव और दर्द के साथ नाक बंद होना या नाक से स्राव हो सकता है।

### 5 सेकेंडरी हेडेक

यह किसी दूसरी बीमारी या स्थिति के कारण होने वाला सिरदर्द है, जैसे संक्रमण, सिर की चोट, बहुत अधिक रक्तचाप या अन्य न्यूरोलॉजिकल समस्या।

## 4. बचाव और सावधानियां

प्रतिदिन पर्याप्त नींद लें और सोने-जागने का समय नियमित रखें। कम नींद भी सिरदर्द को बढ़ा सकती है।
पर्याप्त पानी पिएं।
भोजन समय पर करें और लंबे समय तक खाली पेट न रहें। भूखे रहने से भी सिरदर्द बढ़ सकता है।
मोबाइल या कंप्यूटर के लगातार उपयोग के बीच नियमित ब्रेक लें। संभव हो तो स्क्रीन पर लगातार काम करने का समय कम करें। आंखों की समय-समय पर जांच करवाएं। आंखों के नंबर में बदलाव होने पर भी सिरदर्द हो सकता है।
तनाव कम करने के लिए हल्का व्यायाम, योग या श्वसन अभ्यास करें। अनावश्यक चिंता और तनाव से बचने का प्रयास करें। तेज धूप में सिर को ढककर रखें और लू आदि से बचाव करें। यदि किसी विशेष भोजन, नींद की कमी या तनाव के कारण बार-बार सिरदर्द होता है, तो उसका रिकॉर्ड रखें।
फास्ट फूड और अधिक तैलीय भोजन से बचें।
दर्द की दवाओं का बार-बार या लंबे समय तक स्वयं सेवन न करें। अधिक मात्रा में दर्द की दवा लेने से भी सिरदर्द की समस्या हो सकती है। रक्तचाप की नियमित जांच करवाएं।

## तुरंत चिकित्सकीय सहायता कब लें?

यदि सिरदर्द अचानक बहुत तेज और असामान्य रूप से शुरू हो, या उसके साथ बेहोशी, बोलने में कठिनाई, शरीर के किसी एक हिस्से में कमजोरी या सुन्नपन, दौरा, लगातार उल्टी, तेज बुखार के साथ गर्दन में अकड़न, दृष्टि में गंभीर बदलाव या सिर पर चोट के बाद सिरदर्द हो, तो तुरंत अस्पताल या डॉक्टर से संपर्क करें। लापरवाही न करें और विशेषज्ञ चिकित्सक को दिखाएं।

## 5. होम्योपैथिक उपचार के बारे में

होम्योपैथी में सिरदर्द के लिए दवा का चयन व्यक्ति के लक्षणों के आधार पर किया जाता है। हालांकि, अच्छी गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक प्रमाण यह साबित नहीं करते कि होम्योपैथिक दवाएं माइग्रेन या अन्य सिरदर्द को प्रमाणित चिकित्सा उपचार की तुलना में बेहतर तरीके से ठीक करती हैं। इसलिए गंभीर या बार-बार होने वाले सिरदर्द में उचित चिकित्सकीय निदान और प्रमाणित उपचार को प्राथमिकता दें। योग्य एवं पंजीकृत होम्योपैथिक चिकित्सक से परामर्श लेकर ही उचित उपचार लें।
होम्योपैथी में सिरदर्द के लिए प्रचलित कुछ दवाओं के नाम हैं— बेलेडोना, सेंगुनेरिया, स्पाइजीलिया, नक्स वोमिका, जेल्सीमियम, ब्रायोनिया आदि। इन्हें केवल नाम देखकर स्वयं शुरू करना उचित नहीं है, क्योंकि एक ही प्रकार के सिरदर्द में अलग-अलग लोगों के लिए उपचार और दवा अलग हो सकती है। बार-बार होने वाले सिरदर्द का वास्तविक कारण पता करना अधिक महत्वपूर्ण है।
सिरदर्द की अनेक होम्योपैथिक दवाएं प्रचलित हैं, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को उसके लक्षणों के अनुसार ही दवा दी जाती है। विशेष रूप से यदि सिरदर्द सप्ताह में कई बार हो रहा है, लगातार बढ़ रहा है या रोज दर्द की दवा लेनी पड़ रही है, तो चिकित्सक या न्यूरोलॉजिस्ट से जांच अवश्य करवाएं।

डॉ. एम. एल. जैन ''मणि''
बी.एम.एस. (होम्योपैथी), पीएच.डी.
अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ
पूर्व शैक्षणिक सदस्य,
होम्योपैथिक विश्वविद्यालय,जयपुर

# राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचन माला

**राघौगढ़. शाबाश इंडिया।** धर्मनगरी राघौगढ़ में ससंघ चातुर्मास कर रहे महातपस्वी, ओजस्वी वक्ता एवं बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागरजी महाराज ने श्रमण धारा प्रवचन माला में प्रवचन करते हुए कहा कि आप शेर हैं, मगर आपको यह ज्ञान नहीं है कि आप शेर हैं। उन्होंने कहा कि भूख लगने पर कुत्ता गंदगी भी खा लेता है, मगर शेर भूख लगने पर गंदगी नहीं खाता। शेर स्वयं शिकार कर ही भोजन करता है। आगे उन्होंने कहा कि जब आप अपने घर से भगाने के लिए कुत्ते को डंडा दिखाते हैं तो कुत्ता डंडे को पकड़ता है, जबकि शेर उस व्यक्ति पर वार करता है, जो उसे डंडा मार रहा है। मुनिराज ने वर्तमान में अच्छी पढ़ाई कर नौकरी करने और सेवक बनने की प्रवृत्ति की आलोचना करते हुए कहा कि अपने बच्चों को सेवक न बनाएं, बल्कि उन्हें स्वयं का व्यापार करने के लिए प्रेरित करें। रामायण कालीन उदाहरण देते हुए मुनिराज ने कहा कि जब रामचंद्रजी के आदेश पर सेनापति कृतांत वक्र सीताजी को वन में छोड़ने गए, उस समय सेनापति कृतांत वक्र ने सीताजी से कहा, ''मेरी यह मजबूरी है कि मैं सेवक हूं। सेवक को मालिक के हर आदेश का पालन करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि सज्जन व्यक्ति कभी गलत कार्य का समर्थन नहीं करता, लेकिन सेवक को मालिक की आज्ञा के अनुसार गलत कार्य भी करना पड़ता है। मुनिराज ने दिगंबर जैन आचार्य विद्यासागरजी महाराज के प्रवचनों के अंश का उल्लेख करते हुए कहा कि राजा रामचंद्रजी एवं गुरु द्रोणाचार्य ने पद पर रहते हुए न्याय में कमी कर दी। रामचंद्रजी को पता था कि सीता पतिव्रता हैं, फिर भी उन्हें वनवास दिया गया। लोकापवाद के कारण कोई दूसरी सजा भी दी जा सकती थी।

# डॉ. विजय गर्ग ऑनलाइन मैगजीन एफएनबी के अकादमिक संपादक नियुक्त

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शिक्षाविद् एवं प्रसिद्ध लेखक डॉ. विजय गर्ग को ऑनलाइन मैगजीन एफएनबी (वर्ल्ड न्यूज फॉर सोल) का अकादमिक संपादक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति शिक्षा, विज्ञान संचार एवं अकादमिक लेखन के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और निरंतर योगदान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। डॉ. गर्ग शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता एवं समसामयिक विषयों पर लगातार लेखन कर रहे हैं। उनके लेख विभिन्न डिजिटल मंचों और प्रकाशनों के माध्यम से दुनिया भर के पाठकों तक पहुंच रहे हैं। अकादमिक संपादक के रूप में वे एफएनबी की अकादमिक गुणवत्ता, शैक्षिक सामग्री एवं ज्ञान-आधारित दिशा को मजबूत करने में योगदान देंगे। अनुभवी शिक्षाविद्, कॉलमनिस्ट एवं विज्ञान संचारक के रूप में उनका अनुभव इस जिम्मेदारी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एफएनबी की विशेषता इसकी अंतरराष्ट्रीय डिजिटल पहुंच है। मैगजीन के पाठक 150 से अधिक देशों में हैं। डॉ. गर्ग की नियुक्ति से मैगजीन की शिक्षा एवं ज्ञान-आधारित सामग्री को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। डॉ. गर्ग ने शिक्षा के क्षेत्र में कई दशकों तक सेवाएं दी हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे लेखन एवं ज्ञान प्रसार से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। उनके लेख अंग्रेजी, हिंदी एवं पंजाबी में प्रकाशित होते हैं। यह नियुक्ति शिक्षा एवं जन-ज्ञान के क्षेत्र में डॉ. गर्ग के निरंतर योगदान की मान्यता है। अकादमिक संपादक के रूप में उनकी नई भूमिका दुनिया भर के पाठकों तक सार्थक, विश्वसनीय एवं ज्ञानवर्धक सामग्री पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

# पुष्पगिरि तीर्थ में 15-16 अगस्त को होगा पट्टविभूषण संस्कार महोत्सव

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया

पुष्पगिरि तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागरजी महाराज के सान्निध्य में अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास, पुष्पगिरि तीर्थ के तत्वावधान में आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के पट्टविभूषण संस्कार महोत्सव का आयोजन 15 एवं 16 अगस्त को होगा। प्रथम दिन 15 अगस्त को दोपहर 12 बजे पट्टविभूषण संस्कार विधि तथा शाम 6 बजे राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसमें डॉ. कुमार विश्वास विशेष कवि सम्मेलन प्रस्तुत करेंगे। उनके साथ कवि दीपक दनादन, महेंद्र मधुर एवं कवयित्री साक्षी प्रस्तुति देंगी। दूसरे दिन 16 अगस्त को दोपहर 12 बजे पट्टाभिषेक एवं अनुमोदना महोत्सव होगा। कार्यक्रम में प्रतिष्ठाचार्य पं. प्रदीपजी मधुर, पं. चन्द्रप्रकाशजी तथा संचालन बा. ब्र. तरुण भैयाजी करेंगे। प्रो. नलिन शास्त्री सहित अनेक संत एवं विद्वान उपस्थित रहेंगे। योगऋषि स्वामी रामदेवजी, आचार्य बालकृष्णजी, पं. प्रदीप मिश्रा सहित अनेक संतों का सान्निध्य मिलेगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से सपरिवार सहभागी होने का आह्वान किया है।

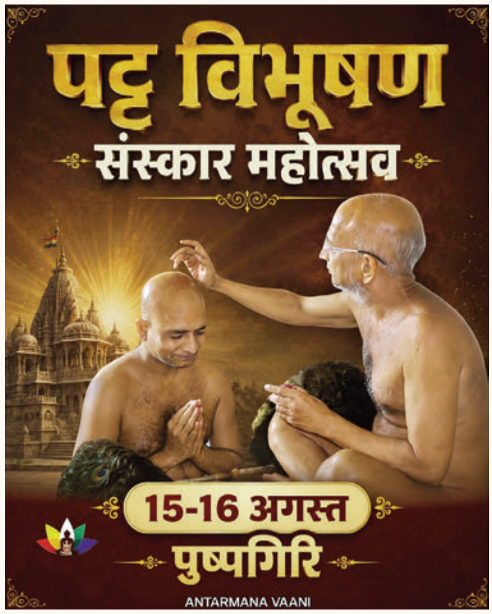

## राजनीति

# पुरुषार्थ जगाएं, व्यसन त्यागें

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन की वास्तविक पहचान उसके पुरुषार्थ से होती है। परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि व्यक्ति में परिश्रम, संघर्ष और आगे बढ़ने का संकल्प है तो कठिन रास्ता भी आसान हो जाता है।इसके विपरीत पुरुषार्थ छोड़कर आलस्य, निराशा और व्यसनों का सहारा लेने से क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। इसलिए जीवन को सार्थक और सफल बनाने के लिए पुरुषार्थ जगाना तथा दुर्व्यसनों से दूर रहना आवश्यक है।दक्षिण अफ्रीका के एक प्रसंग से इसकी प्रेरणा मिलती है। अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध आंदोलन के दौरान एक सत्याग्रही को जोहन्सबर्ग की जेल में बंद कर दिया गया। वहां कैदियों से काम कराया जाता था।एक कैदी निर्धारित समय से पहले अपना कार्य पूरा कर बचे समय में ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ता।निरीक्षण के दौरान अंग्रेज गवर्नर ने पूछा कि वह अधिक काम क्यों करता है। उसने उत्तर दिया कि वह अधिक काम इसलिए करता है ताकि उसकी मेहनत करने की क्षमता नष्ट न हो। वह कैदी आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक महात्मा गांधी बने। यह प्रसंग बताता है कि परिस्थितियों के बीच किया गया पुरुषार्थ व्यक्ति को महान बनाता है। भारत की संस्कृति ने पुरुषार्थ को जीवन का आधार माना है। आचार्य समन्तभद्र ने सर्वोदय के माध्यम से सबके कल्याण का संदेश दिया। भगवान महावीर ने समानता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का मार्ग दिखाया। उनका संदेश था कि मनुष्य अपने कर्म और पुरुषार्थ से जीवन का निर्माण कर सकता है। अवसर सभी को मिलते हैं, लेकिन उनका लाभ वही उठाता है जो समय पर प्रयास करता है। पुरुषार्थी व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता खोज लेता है और निरंतर प्रयास से अपनी क्षमता को निखारता है। आज पुरुषार्थ की सबसे बड़ी आवश्यकता व्यसनों से बचने के लिए है। नशा और अन्य दुर्व्यसन व्यक्ति की सोच, समय, धन और कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। इनका असर व्यक्ति के साथ परिवार और समाज पर भी पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य के निर्माण में लगने वाला धन व्यसनों में नष्ट हो सकता है। समय और ऊर्जा भी बर्बाद होती है। इसलिए व्यसन से दूर रहना स्वयं में बड़ा पुरुषार्थ है। व्यसन-मुक्ति के लिए सरकार और सामाजिक संस्थाएं जागरूकता अभियान चलाती हैं, लेकिन केवल अभियानों से समस्या समाप्त नहीं होगी। परिवार, समाज और व्यक्ति को जिम्मेदारी समझनी होगी।

## संपादकीय

# हंगामे की भेंट चढ़ा लोकतंत्र का मंदिर

संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र का निर्धारित समापन 13 अगस्त को होना था, लेकिन विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच टकराव ने इसे लगभग पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ा दिया। लोकसभा में राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम'' के छह पद गाने के तुरंत बाद अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन स्थगित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। राज्यसभा में कुछ देर कामकाज हुआ, जहां खनन संबंधी संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित हुआ और फिर सदन स्थगित हो गया। यह सत्र कुल 19 बैठकों का था, लेकिन उत्पादकता निराशाजनक रही। लोकसभा की उत्पादकता 19 प्रतिशत और राज्यसभा की 39 प्रतिशत रही। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विधायी दृष्टि से सत्र सफल रहा, क्योंकि करीब 12 विधेयक पारित हुए, लेकिन बहस और चर्चा के लिहाज से यह असफल रहा। अधिकांश विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। एंटी-पेपर लीक विधेयक, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक, केरल नाम परिवर्तन विधेयक, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम संशोधन विधेयक और माइंस एंड मिनरल्स अमेंडमेंट बिल जैसे कानून आगे बढ़े, लेकिन महिला आरक्षण, परिसीमन और एफसीआरए जैसे अहम मुद्दे अधर में रह गए। सत्र की शुरूआत विवादों से हुई थी। 20 जुलाई को छात्र आंदोलन के दौरान दिल्ली में पुलिस कार्रवाई और नीट पेपर लीक के मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। राम मंदिर दान घोटाले के आरोपों ने भी तनाव बढ़ाया। विपक्ष लगातार गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग करता रहा, जबकि सरकार चर्चा के लिए तैयार होने की बात कहती रही। दोनों पक्षों में सहमति नहीं बन सकी। नतीजा यह हुआ कि प्रश्नकाल, शून्यकाल और बहसें बार-बार बाधित होती रहीं। कई दिनों तक सदन कुछ मिनटों तक चल पाया। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। जब सदन हंगामे में डूब जाता है, तो न केवल विधायी काम प्रभावित होता है, बल्कि नागरिकों के मुद्दे भी अनसुने रह जाते हैं। छात्र आंदोलन जैसे गंभीर विषय पर चर्चा न होना दशार्ता है कि राजनीतिक टकराव संसदीय परंपराओं पर भारी पड़ रहा है। सरकार ने हंगामे के बावजूद विधेयक पारित करा लिए, लेकिन बिना पर्याप्त बहस के कानून बनाना लोकतांत्रिक मूल्यों की भावना के अनुरूप नहीं है। विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे मुद्दे उठाने के साथ सदन को चलने देने की जिम्मेदारी निभानी होगी। 'वंदे मातरम' का लोकसभा में छह पदों के साथ गान प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण था। जनता उम्मीद करती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि नीतियां बनाएं, बहस करें और समाधान निकालें, न कि नारेबाजी करें। आने वाले सत्रों में दोनों पक्षों को इस अनुभव से सबक लेना चाहिए। महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दे देश के भविष्य से जुड़े हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# ध्वजारोहण या ध्वज फहराना

सुनील कुमार महला

15 अगस्त 2026 का दिन प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव, उत्साह और देशभक्ति का अवसर है। इस वर्ष भारत अपनी स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ पूरी करने के बाद 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। 15 अगस्त 1947 को भारत ने औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस पर्व का महत्वपूर्ण क्षण राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ा होता है। तिरंगा केवल तीन रंगों से बना ध्वज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, संप्रभुता, एकता, विविधता और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। भारत का वर्तमान राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने अपनाया था। राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े नियमों में समय के साथ महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। 26 जनवरी 2002 से नागरिकों को अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिया गया। 30 दिसंबर 2021 के संशोधन के बाद मशीन से बने कपास, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम और खादी के बंटिंग के उपयोग की भी अनुमति दी गई। 20 जुलाई 2022 के संशोधन के तहत घर पर दिन और रात दोनों समय राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति मिली। हालांकि ध्वज की गरिमा और सम्मान का पूरा ध्यान रखना आवश्यक है। तिरंगा साफ-सुथरा और सही स्थिति में होना चाहिए तथा जमीन, फर्श या पानी को स्पर्श न करे। इसका उपयोग सजावट के रूप में नहीं किया जा सकता। यहीं सवाल उठता है–'ध्वजारोहण' और 'ध्वज फहराना' में अंतर क्या है? दोनों शब्द सामान्य बोलचाल में समान अर्थ में प्रयुक्त होते हैं, लेकिन राष्ट्रीय पर्वों पर अंतर समझना उपयोगी है। ध्वजारोहण का सामान्य अर्थ ध्वज को नीचे से ऊपर उठाकर निर्धारित ऊंचाई तक ले जाना है, जबकि ध्वज फहराने का आशय ऊपर बंधे या लिपटे ध्वज को खोलकर हवा में लहराना है। 15 अगस्त और 26 जनवरी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण करते हैं। इसके पीछे ऐतिहासिक और संवैधानिक परंपरा जुड़ी है। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ, इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराना स्वतंत्र राष्ट्र के उदय का प्रतीक बना। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ भारत गणराज्य बना और इस दिन राष्ट्रपति द्वारा ध्वजारोहण की परंपरा स्थापित हुई। हालांकि 'ध्वजारोहण' और 'ध्वज फहराना' का अंतर हर संदर्भ में कठोर भाषाई नियम नहीं है। सामान्य कार्यक्रमों में दोनों शब्द एक-दूसरे के स्थान पर सुनाई दे सकते हैं। फिर भी राष्ट्रीय पर्वों की विशिष्ट परंपरा को देखते हुए 15 अगस्त के लिए 'राष्ट्रीय ध्वज फहराना' और 26 जनवरी के लिए 'राष्ट्रीय ध्वजारोहण' कहना अधिक सटीक और प्रचलित माना जाता है। तिरंगे का फहरना केवल औपचारिक क्रिया नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संघर्ष के बलिदानों का स्मरण है। यह हमें महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा, भगत सिंह के साहस, सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रवाद, सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और असंख्य वीरों के त्याग की याद दिलाता है। 80वां स्वतंत्रता दिवस हमें अतीत के गौरव के साथ भविष्य के भारत के निर्माण का संकल्प भी देता है। स्वतंत्रता तभी सार्थक है, जब प्रत्येक नागरिक को समान अवसर, सम्मान, सुरक्षा और विकास मिले। तिरंगे के नीचे हमें अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए।

# मुनी सुब्रत नाथ दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा लहरिया उत्सव संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मुनी सुब्रत नाथ दिगंबर जैन महिला मंडल के तत्वावधान में सावन मास के पावन अवसर पर सामुदायिक केंद्र में लहरिया उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मीना गोधा एवं मंत्री श्रीमती राखी बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महिलाओं के तिलक लगाकर स्वागत के साथ हुआ। श्रीमती पदमा पपड़ीवाला ने फीता काटकर, श्रीमती सोनल ने चित्र अनावरण एवं श्रीमती शोभा सेठी ने मंगल दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। श्रीमती आरती गोधा एवं कृतिका पपड़ीवाला ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात महिलाओं ने लघु नाटक का मंचन किया। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण हाउजी एवं लहरिया क्वीन कैटवॉक रहे। कैटवॉक में श्रीमती आरती को लहरिया क्वीन का खिताब प्रदान किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। समाज की महिलाओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

# जहां से सारे द्वार बंद हो जाते हैं, वहां से जैन धर्म शुरू होता है: आर्यिका विष्णु प्रभा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

कमला नेहरू नगर में चातुर्मास कर रहीं आचार्य सुंदर सागरजी महाराज की सुशिष्या आर्यिका रत्न श्री 105 विष्णु प्रभा माताजी ने मंगल प्रवचन में कहा कि जिनवाणी का रसपान करना सौभाग्यशाली व्यक्तियों को ही प्राप्त होता है। सामाजिक कार्यकर्ता जय कुमार जैन-बड़जात्या ने बताया कि श्रावकों को संबोधित करते हुए आर्यिका विष्णु प्रभा ने कहा कि संसारी जीव जल से पवित्र होते हैं, लेकिन साधु-संत मंत्रों के माध्यम से जल से शुद्धि करते हैं। गुरु के वचनों को सुन पाना दुर्लभ है। जहां से सारे द्वार बंद हो जाते हैं, वहां से जैन धर्म शुरू होता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म बहुत विशाल है और वह वैराग्य अवस्था की पूजा करता है, न कि राज्य अवस्था की। संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी शैली दीदी ने बताया कि विष्णु प्रभा माताजी ने उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं को उपदेश देते हुए कहा कि जिंदगी एक छोटी-सी हिचकी है। लगाना भी अपने आप से है और हटाना भी अपने आप से है। दुनिया में गुलाब की तरह खिलकर रहें। मोह रूपी जल से निकलकर सच्चे आत्मतत्व को पहचानें और अपना जीवन सफल बनाएं।

# सूर कुटीर के बच्चों में बांटी खुशियां, खाद्य सामग्री पाकर चेहरे खिले

**आगरा. शाबाश इंडिया।** पवित्र सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर समाजसेवी अमित सिंह एवं वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती उमा वर्मा ने शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लेकर कीठम स्थित सूर कुटीर (स्कूल फॉर ब्लाइंड) के दृष्टिबाधित बच्चों को खाद्य सामग्री भेंट की। सेवा, सम्मान और अपनत्व से भरे इस भावपूर्ण अवसर पर खाद्य सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखाई दी। इस छोटी-सी पहल ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें जरूरतमंदों के जीवन में मुस्कान और उम्मीद की रोशनी जगाई जाए।

# गायत्री नगर निवासी अनिल कुमार जैन को सिद्धांत प्रभाकर की उपाधि से विभूषित किया

मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा एवं उपस्थित पदाधिकारियों व गणमान्यजनों ने अनिल जैन का मंदिर प्रबंध समिति एवं दिगंबर जैन समाज, महारानी फार्म की ओर से तिलक, माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया।

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** द्वादशवर्षीय श्रमण संस्कृति स्वाध्याय पाठ्यक्रम, सांगानेर, जयपुर द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में 3 वर्ष तक अध्ययन पूर्ण करने पर गायत्री नगर, महारानी फार्म, जयपुर निवासी अनिल कुमार जैन ''बयान वालों'' को ''सिद्धांत प्रभाकर'' की उपाधि से विभूषित किया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि संस्थान के अधिष्ठाता जयकुमार जैन, निदेशक डॉ. शीतल चंद जैन, समन्वयक ऋषभ जैन एवं रजिस्ट्रार प्रो. अरुण कुमार जैन द्वारा संयुक्त रूप से जारी प्रमाण-पत्र में उक्त उपाधि की घोषणा की गई। साथ ही उनके उज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा एवं उपस्थित पदाधिकारियों व गणमान्यजनों ने अनिल जैन का मंदिर प्रबंध समिति एवं दिगंबर जैन समाज, महारानी फार्म की ओर से तिलक, माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। उपस्थित महिला-पुरुषों ने उपाधि प्राप्त होने पर करतल ध्वनि से अनुमोदना करते हुए बधाई दी। इस अवसर पर सभा का संचालन करते हुए विधानाचार्य पं. अजित शास्त्री ने कहा कि यह स्वाध्याय का सम्मान है। स्वाध्याय परम तप है। उन्होंने इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से प्रतिदिन एक बार स्वाध्याय करने का आह्वान किया। महारानी फार्म स्थित गायत्री नगर मंदिर में प्रतिदिन सायंकाल स्वाध्याय सभा का संचालन किया जाता है।

# मोक्ष सप्तमी पर महावीर प्रसाद जैन लेंगे जैनेश्वरी दीक्षा

## अमीरगंज जैन नसिया में हुआ भव्य छोल भराई कार्यक्रम

**टोंक. शाबाश इंडिया**

वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 श्री वर्धमान सागरजी महाराज के परम आशीर्वाद एवं हस्त कमलों से बनेठा गौरव धर्मसृष्टि श्री महावीर प्रसाद जैन के सीकर में 19 अगस्त 2026, बुधवार को होने वाले भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह के पूर्व श्री दिगंबर जैन समाज अमीरगंज, टोंक की ओर से मंगलवार, 11 अगस्त को रात्रि 7:30 बजे जैन नसिया प्रांगण में भव्य छोल भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के श्रद्धालुओं एवं महिलाओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और वैराग्य के पथ पर अग्रसर होने वाले महावीर प्रसाद जैन के प्रति अपनी मंगल भावनाएं व्यक्त कीं। समाज के मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि बनेठा निवासी श्री महावीर प्रसाद जैन आगामी 19 अगस्त को मोक्ष सप्तमी के पावन अवसर पर सीकर में जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करेंगे। इसी क्रम में अमीरगंज जैन नसिया में छोल भराई का धार्मिक एवं भावपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष भागचंद फूलेता, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया, महामंत्री धर्मेंद्र पासरोटिया, सहमंत्री ओमप्रकाश ककोड़, विमल बरवास, राजेश बोरदा, रमेश काला, प्रदीप नगर, रिंकू बोरदा, अनिल सर्राफ सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं महिलाओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर सुरेंद्र अजमेरा, नेमीचंद बनेठा एवं श्यामलाल जैन ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संसार के मोह-माया का त्याग कर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होना अत्यंत पुण्य एवं गौरव का विषय है। उन्होंने महावीर प्रसाद जैन के वैराग्य भाव की अनुमोदना करते हुए उनके आगामी दीक्षा जीवन के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के दौरान पूरे जैन समाज में उत्साह एवं भक्ति का वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने वैराग्य की अनुमोदना करते हुए भावी दीक्षार्थी के प्रति अपनी श्रद्धा एवं मंगल भावनाएं प्रकट कीं। श्री दिगंबर जैन समाज अमीरगंज, टोंक ने महावीर प्रसाद जैन के इस पुनीत एवं अनुकरणीय निर्णय की अनुमोदना करते हुए उनके दीक्षा जीवन की मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

# योग, झूले, लोकगीत और नृत्य के साथ बिखरी सावन की छटा, महिलाओं ने लिया सांस्कृतिक आनंद

**ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया।** सावन की हरियाली और उल्लास के बीच पतंजलि योग परिवार ऐलनाबाद की ओर से बुधवार को हरियाली तीज महोत्सव हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सनातन धर्मशाला में संचालित नियमित योग कक्षा से हुआ। मुख्य योग शिक्षक हेमराज सपरा ने ओम एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाकर सभी साधकों को स्वस्थ जीवन और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया। योग सत्र के बाद सभी योग साधक चौ. देवीलाल पार्क पहुंचे। सावन की हरियाली के बीच पारंपरिक झूलों, तीज के लोकगीतों और नृत्य से माहौल उल्लासमय हो गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक झूले झूले और तीज के गीत गाए। सभी उपस्थित साधकों ने मिलकर भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का आनंद लिया।

# एडब्ल्यूपीएल ग्रुप ने अंजली पारीक को सिल्वर एचीवर अवार्ड से किया सम्मानित

**लक्ष्मणगढ़ (सीकर). शाबाश इंडिया**

कस्बा निवासी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अंजली पारीक को समाजहित में किए गए सेवा कार्यों के लिए रतनगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में एडब्ल्यूपीएल ग्रुप की ओर से सिल्वर एचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित एडब्ल्यूपीएल ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों ने पारीक को यह सम्मान प्रदान किया। अंजली पारीक के सम्मानित होने पर कस्बे में खुशी का माहौल है।इस अवसर पर परिवारजनों, शुभचिंतकों एवं सहपाठियों ने पारीक को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

# 16 अगस्त को निशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जयपुर के केलगिरी आई हॉस्पिटल, मालवीय नगर एवं श्री नेमिनाथ युवा मंडल, सेक्टर 3 जैन मंदिर, मालवीय नगर के संयुक्त तत्वावधान में 16 अगस्त 2026, रविवार को सीनियर सेकेंडरी आदर्श विद्या मंदिर स्कूल, सब्जी मंडी के सामने, मालवीय नगर में निशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लेंस प्रत्यारोपण तथा दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के मुख्य संयोजक दिनेश पाटनी ने बताया कि नेत्र रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आंखों की निशुल्क जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा। वहीं दंत चिकित्सा शिविर में दांतों की निशुल्क जांच एवं एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही निशुल्क ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच भी की जाएगी। शिविर का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर में पहुंचकर निशुल्क चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

# धन नहीं, धर्म श्रेष्ठ, चित्र नहीं, चारित्र निहारो : पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया**

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के परम भक्त वैभव जैन बड़ामलहरा ने बताया कि दिल्ली के ऋषभोदय, ऋषभ विहार में विराजित दिगंबर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा–

## शब्दज्ञान भिन्न, आत्मज्ञान भिन्न

शब्दज्ञान के साथ यदि आचरण नहीं है तो वह शाब्दिक कोरा ज्ञान व्यर्थ है। वह गधे की पीठ पर लदे चंदन के समान है। बोझा कोई और ढो रहा है और उसका उपयोग कोई अन्य करेगा। शब्दज्ञान भिन्न है, आत्मज्ञान भिन्न है। चर्चा की पवित्रता के बिना तत्वचर्चा व्यर्थ है। उपाय के साथ उपेय पर भी लक्ष्य होना चाहिए। आत्मज्ञान से शून्य क्रिया व्यर्थ है। साधक को संयम पालन एवं तय उपवास के साथ आंतरिक जुड़ाव होना चाहिए। प्लास्टिक के कृत्रिम पुष्प देखने में बहुत सुंदर लगते हैं, पर उनमें सुगंध नहीं होती। ऐसे ही शाब्दिक ज्ञानी व्याख्यान तो बहुत अच्छा करता है और अपने व्याख्यान से सबको प्रभावित कर लेता है। श्रोता उसके उपदेशों को ग्रहण कर श्रेष्ठ पथ का अनुसरण करते हैं, परंतु वह वक्ता आत्मज्ञान से शून्य अधूरा ही रहता है। वह चम्मच के समान होता है, जो दूसरों को परोसता है, स्वयं खाली का खाली रहता है।

## संस्कार सिद्धि का सोपान

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज ने कहा कि संस्कार सिद्धि प्रदान करते हैं। एक कुंभकार जब मिट्टी को संस्कारित करता है तो कलश बनता है, जो जगत को शीतल जल प्रदान कर कंठों को शीतल करता है। शिल्पकार पाषाण को तराशकर प्रतिमा बना देता है, जिससे जगत नैतिकता का बोध प्राप्त करता है।

**धन नहीं, धर्म श्रेष्ठ। चित्र नहीं, चारित्र निहारो।**

मित्रो! धन से धर्म नहीं होता, धन से जीवन धन्य नहीं होता, धर्म से ही जीवन धन्य होता है। धन से सुविधाएं प्राप्त की जा सकती हैं, पर सुख और शांति धर्म से ही संभव है। अहिंसा धर्म है, सत्य धर्म है, अचौर्य धर्म है, ब्रह्मचर्य धर्म है, अपरिग्रह धर्म है, क्षमा धर्म है, संयम धर्म है, तप धर्म है, त्याग धर्म है, करुणा-दया धर्म है। धर्म ही सुख का श्रेष्ठ साधन है। धर्म ही मंगल है, धर्म ही उत्तम है, धर्म ही शरण है। धर्म ही मनुष्य जीवन का सार है।

अहो मित्रो! चित्र नहीं, चारित्र निहारो। चित्र ही निहारना है तो ऐसे निहारो, जिससे आपका चारित्र पवित्र हो। ऐसे चित्र मत देखो, जिससे चारित्र भ्रष्ट हो। चित्र ऐसे निहारो, जिससे चारित्र धारण एवं पालन की प्रेरणा मिले।

## क्षमता बढ़ाओ, सुख पाओ

साधक को साधना करने की क्षमता बढ़ानी चाहिए। समता ही साधुता है। जो जितना अधिक सहन कर लेगा, वह उतनी ही श्रेष्ठता को प्राप्त करेगा। साधना से ही सुख संभव है। मिट्टी सहन करती है, तभी कलश बनती है। सिद्ध बनना है तो सहन करो।

## कमल खिलाओ, सिद्धि पाओ

जिनका हृदय-कमल खिला है, चारित्र में चमक है, उनकी शीघ्र ही सिद्धि होगी। चारित्र की चमक बढ़ाओ और प्रसन्नचित्त रहो। जिनका हृदय श्रद्धा-भक्ति से खिला रहता है, उनके ही हृदय-

आंगन में प्रभु गुरु विराजते हैं।

देशनाचार्य : दिगंबर जैन संत आचार्य विशुद्धसागर
संकलन : मुनि सुव्रतसागरजी
लेखक : वैभव जैन बड़ामलहरा

**श्री अभिषेक अशोक पाटील**
**कार्याध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर**

# वृक्षारोपण के साथ हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कीर्ति नगर महिला मंडल की ओर से 13 अगस्त 2026 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुर्गापुरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा बैद ने किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में लगभग 101 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। महिला मंडल की महामंत्री श्रीमती रीटा छाबड़ा के नेतृत्व में ''हर घर तिरंगा'' अभियान भी चलाया गया। अभियान के माध्यम से देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए सभी को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक महिलाओं सहित मंदिर कमेटी के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण में भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रप्रेम का संकल्प लिया। महिला मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति का संदेश एक साथ जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

# आचार्य आनंद ऋषिजी की जीवनगाथा का गुणगान, जन्मजयंती पर 1008 से अधिक आयंबिल तप की भव्य भेंट अर्पित

## शरीर और संयम की चादर को जीवनभर मलिन नहीं होने दिया आनंद ऋषिजी ने : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया**

राष्ट्रसंत आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी महाराज की 126वीं जन्मजयंती शांतिभवन में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी, यशोदिप्ती मधुकंवरजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योतिजी, महासती सुचेताजी, स्मितभाषी प्रियदर्शनाजी सहित संत-साध्वी वृंद के सान्निध्य में मनाई गई। इस अवसर पर तपस्वी भाई-बहनों ने सामूहिक रूप से 1008 से अधिक आयंबिल तप की आराधना कर आचार्यश्री के चरणों में तप की भेंट अर्पित की। जन्मजयंती गुणगान समारोह में युवाचार्यश्री ने आचार्य आनंद ऋषिजी के व्यक्तित्व एवं संयममय जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान बाहरी रूप से नहीं, बल्कि भीतर की शुचिता, शील एवं आचरण से होती है। बाहर दिखाई देने वाला व्यक्तित्व और भीतर का अस्तित्व अलग होता है। चेहरा कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, वास्तविक श्रेष्ठता अंतरंग पवित्रता से प्रकट होती है। आचार्यश्री की जीवनशैली में स्वच्छता केवल शरीर और वस्त्रों तक सीमित नहीं थी। उनके व्यवहार में सदाचार की सुगंध, विचारों में निर्मलता और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति मंगलभाव सहज दिखाई देता था। उनका चलना, बैठना और व्यवहार भी उनके अंतरंग व्यक्तित्व की गरिमा को प्रकट करता था। उस महापुरुष के चरण जहां-जहां पड़े, वहां की रज तक लोगों ने श्रद्धा से सुरक्षित रखी। उनके प्रति यह गहरी आस्था उनके पवित्र आचरण और संयममय जीवन की ही अभिव्यक्ति थी। युवाचार्यश्री ने कहा कि आचार्यश्री के जीवन में वात्सल्य और अनुशासन का अद्भुत संतुलन था। वे अपनी असुविधा से अधिक दूसरों की साता का ध्यान रखते और किसी के मन को ठेस न पहुंचे, इसका भी ख्याल रखते थे। वहीं साधुचर्या, अनुशासन और मर्यादा के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री ने इंसानों को भी संभाला और पात्रों को भी। शिष्य का हित, संघ की मर्यादा और साधु जीवन का अनुशासन उनके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण था। उनका वात्सल्य व्यक्ति के प्रति था, लेकिन सिद्धांतों में कोई शिथिलता नहीं थी। युवाचार्यश्री ने कहा कि शरीर माता-पिता से मिली चादर है और संयम गुरु से मिली चादर। आचार्य आनंद ऋषिजी ने दोनों चादरों को जीवनभर मलिन नहीं होने दिया। शरीर के प्रति सजगता रखते हुए उन्होंने साधुचर्या की मर्यादा और संयम का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया। गुरु से प्राप्त संयम को उन्होंने शील, सदाचार, अनुशासन और सिद्धांतनिष्ठ जीवन से गरिमा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री का जीवन उस महापुरुष की जीवनगाथा है, जिसने गुरु से मिली संयम की चादर को केवल धारण नहीं किया, बल्कि अपने आचरण से उसकी मर्यादा को जीवनभर निभाया। उनकी जन्मजयंती पर उनका स्मरण तभी सार्थक है, जब उनके जीवन से मिले इन मूल्यों को अपने आचरण में उतारने का भाव जागे। इस अवसर पर हितमितभाषी हितेंद्र ऋषिजी, महासती प्रियदर्शनाजी, विदुषी सुप्रभाजी, साध्वी चिंतनश्रीजी, साध्वी काव्याश्रीजी एवं यश सुशिष्या सुप्रभाजी आदि ने भजन एवं विचारों के माध्यम से आचार्यश्री के जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि आचार्यश्री शरीर रूप में भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके संस्कार, विचार और गुण आज भी समाज को दिशा दे रहे हैं। इस दौरान साध्वी नाव्याश्रीजी के 11 उपवास पूर्ण होने पर युवाचार्यश्री ने उन्हें आदर की चादर प्रदान कर तप की अनुमोदना की। महिला मंडल की बहनों ने भी 9 उपवास का संकल्प लेकर साध्वीजी को आदर की चादर ओढ़ाई। वहीं 29 उपवास की दीर्घ तपस्या पूर्ण करने वाली आशादेवी कुकड़ा का श्रीसंघ, महावीर युवक मंडल एवं शांति जैन महिला मंडल की ओर से अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। शांतिभवन के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़ एवं मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि जन्मजयंती समारोह में 1008 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने युवाचार्यश्री से आयंबिल तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। आचार्य आनंद ऋषिजी महाराज की जन्मजयंती पर हुए इस सामूहिक आयंबिल तप के लाभार्थी नवरतनमल बंब का श्रीसंघ की ओर से अभिनंदन किया गया।

# राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय बांसवाड़ा का चतुर्थ जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन संपन्न

**बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया**

राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय बांसवाड़ा का चतुर्थ जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन 13 अगस्त 2026 को स्थानीय संघ बागीदौरा की मेजबानी में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागीदौरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार रावल रहे, जबकि अध्यक्षता निमेष मेहता ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुशील कुमार जैन, हरीश कलाल, विनय कुमार तलवाड़िया, मनोज कुमार माथुर, महेंद्र समाधिया (गढ़ी), रूपजी बारिया (सज्जनगढ़), माया सैमसन (अरथूना), नगेंद्र कुमार मेहता सहित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं स्काउट प्रार्थना से हुआ। आगंतुक अतिथियों का पगड़ी एवं स्कार्फ पहनाकर सम्मान किया गया। अधिवेशन में जिला कमिश्नर वयस्क संसाधन कृष्णकांत पाटीदार, जिला प्रशिक्षण आयुक्त राजमल जैन, सीओ स्काउट डॉ. दीपेश शर्मा, समस्त स्थानीय संघ सचिव एवं जिला कोषाध्यक्ष सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अलंकार पुरस्कार तथा कमिश्नर कोर्स पूर्ण करने वाले प्रधानाचार्यों, स्काउटर एवं गाइडर का सम्मान किया गया। आगामी पांचवां जिला अधिवेशन स्थानीय संघ सज्जनगढ़ में आयोजित किया जाएगा। अतिथि उद्बोधन में निमेष मेहता, हरीश कलाल, मनोज माथुर, महेंद्र समाधिया एवं पवन कुमार रावल ने वर्षभर संचालित स्काउटिंग गतिविधियों पर चर्चा करते हुए उनके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक सुझाव दिए। कार्यक्रम का संचालन सीओ स्काउट डॉ. दीपेश शर्मा ने किया तथा आभार डाइट प्रधानाचार्य देवेंद्र पाटीदार ने व्यक्त किया। 15 अगस्त की पूर्व संध्या के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत उपस्थित अतिथियों ने देशभक्ति गीतों के बीच तिरंगा फहराया। इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव दिनेश चरपोटा, समन्वयक अश्विन जोशी, सहसचिव सुरेश चंद्र गांधी एवं कोषाध्यक्ष नरेंद्र जोशी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत महावीर पब्लिक स्कूल में देशभक्ति का उत्सव

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे ''हर घर तिरंगा अभियान'' के अंतर्गत महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में 13 अगस्त 2026 को कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रार्थना-सभा एवं तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत प्रार्थना-सभा से हुआ। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, गायन, वादन एवं कविता-पाठ के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना व्यक्त की। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीतों पर उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा तिरंगा फहराकर वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल सांघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, कार्यकारिणी सदस्य विनोद कोटखावदा एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने हरी झंडी दिखाकर कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को तिरंगा यात्रा के लिए रवाना किया। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में प्रभात फेरी निकाली और 'वंदे मातरम्' एवं 'भारत माता की जय' के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

तिरंगा यात्रा में प्री-प्राइमरी, प्राइमरी एवं मिडिल कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों के साथ संस्था के पदाधिकारियों, प्राचार्या एवं शिक्षकगण ने भी पूरे उत्साह और उमंग के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना अभिव्यक्त की। इस अवसर पर श्री बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भी विशेष उत्साह एवं गौरव की अनुभूति की गई। पूरे कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

# वक्त है बदलाव का...

तुम वास्तविक रूप में अपनी दुकान के मालिक हो या नौकर? मालिक होना सिर्फ नाम का नहीं, नियंत्रण का विषय है

आज के समय में अधिकांश लोग स्वयं को व्यवसायी, उद्यमी या दुकान का मालिक कहते हैं। दुकान, कार्यालय, प्रतिष्ठान या उद्योग उनके नाम पर होता है, लेकिन गंभीर प्रश्न यह है कि क्या वे वास्तव में उसके मालिक हैं या फिर उसी के नौकर बनकर रह गए हैं? मालिक और नौकर के बीच का अंतर केवल पद का नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और नियंत्रण का होता है। वास्तविक मालिक वह होता है जो अपने व्यवसाय को दिशा देता है, निर्णय लेता है और आवश्यकता पड़ने पर कुछ समय के लिए दूर रहने पर भी यह सुनिश्चित करता है कि उसका काम सुचारु रूप से चलता रहे।

## जब मालिक ही व्यवसाय का सबसे व्यस्त कर्मचारी बन जाए

यदि किसी व्यक्ति की अनुपस्थिति में उसका व्यवसाय ठप पड़ जाए, हर छोटे-बड़े निर्णय के लिए उसी पर निर्भरता हो और वह चौबीसों घंटे व्यवसाय की चिंताओं में उलझा रहे, तो वह नाम का मालिक होकर भी व्यवहार में नौकर ही है। कई व्यापारी सुबह से रात तक अपनी दुकान पर उपस्थित रहते हैं। खरीद, बिक्री, भुगतान, हिसाब-किताब, ग्राहक सेवा और कर्मचारियों के प्रबंधन जैसे सभी कार्य स्वयं करते हैं। धीरे-धीरे व्यवसाय उन पर इतना निर्भर हो जाता है कि वे स्वयं को उससे अलग नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में व्यवसाय उनके लिए स्वतंत्रता का माध्यम न होकर बंधन का कारण बन जाता है।

## व्यक्ति नहीं, व्यवस्था व्यवसाय चलाए

वास्तविक स्वामित्व का अर्थ है—एक मजबूत व्यवस्था का निर्माण। एक सफल मालिक ऐसी प्रणाली विकसित करता है, जिसमें जिम्मेदारियों का उचित वितरण हो, कर्मचारियों को अधिकार और प्रशिक्षण मिले, तकनीक का प्रभावी उपयोग हो तथा कार्य प्रक्रियाएं स्पष्ट हों। इससे व्यवसाय व्यक्ति पर नहीं, बल्कि व्यवस्था पर आधारित होता है। तब मालिक का समय

**जब व्यवसाय आपके लिए कार्य करने लगे और आप उसके विकास की दिशा तय करने लगें, तभी आप सच्चे अर्थों में उसके मालिक कहलाएंगे। अन्यथा, चाहे नाम पट्टिका पर आपका ही क्यों न लिखा हो, आप अपनी ही दुकान के सबसे व्यस्त और सबसे जिम्मेदार नौकर बने रहेंगे।**

केवल दैनिक कार्यों में नहीं, बल्कि व्यवसाय के विकास, नवाचार और भविष्य की योजनाओं में लग पाता है।

## तकनीक: मालिक को व्यस्तता से स्वतंत्रता की ओर ले जाने का माध्यम

आज तकनीक ने व्यवसाय को व्यक्ति-निर्भरता से व्यवस्था-निर्भरता की ओर ले जाने के अनेक अवसर दिए हैं। डिजिटल अकाउंटिंग, ऑटोमेशन, डेटा बैकअप, क्लाउड सिस्टम, रिपोर्टिंग और बिजनेस मैनेजमेंट टूल्स जैसी सुविधाएं व्यवसायी को हर छोटे काम में स्वयं उलझने से बचा सकती हैं। सही तकनीक का उद्देश्य केवल काम को तेज करना नहीं, बल्कि मालिक को अनावश्यक कार्यों से मुक्त करना भी है। यह प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता से भी जुड़ा है। यदि व्यवसाय के कारण परिवार, स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन और मानसिक शांति प्रभावित हो रही है, तो पुनर्विचार आवश्यक है। व्यवसाय का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है, न कि जीवन को केवल व्यवसाय तक सीमित कर देना।

## खुद से पूछिए—मालिक कौन है?

प्रत्येक व्यापारी और उद्यमी को समय-समय पर स्वयं से पूछना

चाहिए। क्या मैं अपने व्यवसाय का संचालन कर रहा हूं या व्यवसाय मुझे संचालित कर रहा है? क्या मेरे बिना भी मेरा व्यवसाय सुचारु रूप से चल सकता है? क्या मैं निर्णय लेने वाला मालिक हूं या हर काम स्वयं करने वाला कर्मचारी? इन सवालों के जवाब ही आपके व्यवसाय की वास्तविक स्थिति को सामने रखेंगे।

## सच्चा मालिक वही, जिसका व्यवसाय उसके बिना भी चले

जब व्यवसाय आपके लिए कार्य करने लगे और आप उसके विकास की दिशा तय करने लगें, तभी आप सच्चे अर्थों में उसके मालिक कहलाएंगे। अन्यथा, चाहे नाम पट्टिका पर आपका ही क्यों न लिखा हो, आप अपनी ही दुकान के सबसे व्यस्त और सबसे जिम्मेदार नौकर बने रहेंगे।

''सच्चा मालिक वह नहीं जो व्यवसाय में सबसे अधिक काम करे, बल्कि वह है जो ऐसी व्यवस्था बनाए कि व्यवसाय उसके बिना भी चलता रहे।''

**आलेख : नितिन जैन**

# ज्ञान गंगा महोत्सव में होंगी वे बातें, जिनसे जिंदगी जीने का आनंद मिल सके : आचार्य पुलकसागर महाराज

## स्वाधीनता दिवस पर राष्ट्रभक्ति के साथ प्रवाहित होगी ज्ञान की धारा, चित्रकूटधाम में होगा ज्ञान गंगा महोत्सव का आगाज

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया।** श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्रसंत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सर्वसमाज के लिए ज्ञान गंगा महोत्सव का आगाज स्वाधीनता दिवस पर जश्ने आजादी के रूप में नगर निगम के चित्रकूटधाम में होगा। आयोजन को लेकर श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति ने व्यापक तैयारियां की हैं और श्रद्धालुओं में भी उत्साह का माहौल है। गुरुदेव के राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत संदेश के साथ ज्ञान की धारा प्रवाहित होगी। आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने बताया कि 30 अगस्त तक चलने वाले इस महोत्सव में भीलवाड़ा के साथ राजस्थान एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आचार्यश्री के मुखारबिंद से प्रवचन सुनने उमड़ेंगे। प्रथम दिन का आयोजन दोपहर 2 बजे से होगा। इसके बाद 16 अगस्त से प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक प्रवचन होंगे। महोत्सव के तहत 19 अगस्त को मोक्ष सप्तमी एवं 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर विशेष आयोजन होंगे। आचार्य पुलकसागर महाराज ने गुरुवार को सुबह सूर्यमहल में धर्म संदेश प्रदान करते हुए कहा कि ज्ञान गंगा महोत्सव में भीलवाड़ा यदि मुझे प्रतिदिन एक घंटा देगा तो मैं भरोसा दिलाता हूं कि यह आपके जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बनेगा। यहां प्रवचनों में शास्त्रों से अधिक वे बातें होंगी, जो हमारे जीवन की दिशा और दशा बदल सकती हैं। महोत्सव में राष्ट्र, समाज एवं परिवार से जुड़े मुद्दों के साथ परिवर्तन, चिंतन, जीवन को दिशा देने और स्वयं से मिलने के विषयों पर प्रवचन होंगे। उन्होंने कहा कि महोत्सव में वे बातें करूंगा, जिनसे आपको जिंदगी जीने का आनंद मिल सके और दैनिक जीवन में जिन समस्याओं से आप परेशान रहते हैं, उनके समाधान का मार्ग निकल सके। यदि आपके मन को बदलने में सफल हो गया तो आपका जीवन भी बदल जाएगा। ज्ञान गंगा महोत्सव के माध्यम से भीलवाड़ावासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सका तो समझना चातुर्मास करना और कराना सार्थक हो गया। चातुर्मास समिति के संयोजक मनीष शाह ने बताया कि प्रवचन के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य केशवलाल, कमलादेवी, सुभाषचंद, मीनादेवी, श्रुति एवं मनन हुमड़ परिवार ने प्राप्त किया। चातुर्मास समिति के सहसंयोजक लोकेश अजमेरा ने बताया कि सूर्यमहल में प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक गुरु दर्शन एवं धर्म संदेश श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शाम 7 से 8 बजे तक आनंद यात्रा एवं आरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु शामिल होकर लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

# मझेवला के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर में 76 यूनिट रक्त संग्रह, 2500 पौधे रोपकर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

## देशभक्ति के नारों के साथ निकाली गई तिरंगा रैली

**अजमेर. शाबाश इंडिया।** जिला परिषद अजमेर के सदस्य एवं ग्राम कड़ेल के सरपंच महेंद्र सिंह मझेवला के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में लायंस क्लब अजमेर आस्था की ओर से ग्राम डुंगरिया कला स्थित बालाजी मंदिर सामुदायिक भवन के सभागार में पीड़ित मानव सेवार्थ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्राम के रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 76 यूनिट रक्त का स्वैच्छिक दान किया। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि रक्त समन्वयक लायन अतुल पाटनी के संयोजन एवं जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में अलसुबह से ही रक्तदाताओं की कतार लग गई। ग्रामीणों ने मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

### 2500 पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

कार्यक्रम के दौरान ग्राम डुंगरिया खुर्द के मोक्षधाम के विशाल जंगलात क्षेत्र तथा ग्राम डुंगरिया कला के राजकीय बालिका विद्यालय एवं सामुदायिक भवन परिसर में 2500 से अधिक 5 से 6 फीट ऊंचाई वाले पौधों का सघन वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामवासियों, महिलाओं, स्काउट्स, विद्यालय की बालिकाओं एवं पर्यावरण प्रेमियों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि पौधों की नियमित सार-संभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।

### बालिका विद्यालय को वाटर कूलर एवं 100 गणवेश वितरित

कार्यक्रम के दौरान राजकीय बालिका विद्यालय में श्री शंकर सिंह मझेवला के सहयोग से बड़ा वाटर कूलर एवं वाटर प्यूरिफायर भेंट किया गया। वहीं समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से ग्रामवासियों को 100 गणवेश वितरित किए गए। स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में इससे पूर्व ग्राम में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा देशभक्ति के नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना, सचिव अनिल चोरड़िया, कोषाध्यक्ष विनय लोढ़ा, सुरेंद्र मेहता, अनिल छाजेड़, पदमचंद जैन सहित ग्राम के छोटूसिंह गुढ़ा, कानसिंह, ईश्वरसिंह, मदनराम, हाथीराम, सोहनलाल, लादूराम, दशरथसिंह, सुनील पारीक, सुमेरसिंह, मूलसिंह, विजेंद्र दायमा, मुकेश प्रजापति, राजपालसिंह, शंकरसिंह, प्रेमसिंह, हिम्मतसिंह, महिपालसिंह, भवानीसिंह, रोहितनाथ, हर्षवर्धनसिंह, भंवरलाल लक्ष्मण, राजपुरोहित, अर्जुनसिंह राजपुरोहित, हरी सांखला, हरिसिंह, मुकनसिंह, मालसिंह, लक्ष्मण जाट, राशि, हनुमानराम, बनवारीलाल, विष्णु मेघवाल आदि का उल्लेखनीय सहयोग रहा। अंत में कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी ने ग्राम सरपंच महेंद्र सिंह मझेवला एवं ग्रामवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि रक्तदान, वृक्षारोपण, बालिका विद्यालय में शुद्ध जल की सुविधा एवं गणवेश वितरण जैसे सेवा कार्यों के माध्यम से मानव सेवा, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं राष्ट्रभक्ति का अनूठा संदेश दिया गया है।

# वाणिज्य संकाय के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी करियर एवं पाठ्यक्रम की जानकारी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. (स्वायत्त) महाविद्यालय, जयपुर के वाणिज्य संकाय की ओर से नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन 13 अगस्त को चाणक्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, विषय संयोजन, परीक्षा प्रणाली, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं भविष्य के करियर अवसरों से परिचित कराना था। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. रेणु जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक परंपराओं एवं अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्यों की ओर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वाणिज्य संकाय के प्रभारी एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विशेषताओं, उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं तथा संकाय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने पाठ्यक्रम की संरचना, विषय चयन, अकादमिक गतिविधियों एवं अध्ययन के साथ उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में मिशी मीडिया सॉल्यूशंस के क्रिएटिव डायरेक्टर वरुण भंसाली ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रचनात्मकता, प्रभावी संचार, डिजिटल कौशल एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बदलते रोजगार परिवेश के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। सीएमए हरेन्द्र कुमार पारीक, चेयरमैन, सीएमए जयपुर चैप्टर (2023-24) ने वाणिज्य एवं वित्त के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को सीएमए सहित विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रेरित करते हुए विषय के मजबूत वैचारिक ज्ञान एवं निरंतर अध्ययन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में वाणिज्य संकाय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उनकी शैक्षणिक यात्रा के लिए उचित दिशा एवं प्रेरणा प्रदान करना रहा।

# आधुनिक तकनीक से संवरेगी मुस्कान और खूबसूरती, फर्नवेल्स एस्थेटिक्स एंड डेंटिस्ट्री का आगाज

## उदयपुर में एस्थेटिक मेडिसिन और दंत चिकित्सा का नया केंद्र, विशेषज्ञ सेवाएं होंगी उपलब्ध

**उदयपुर. शाबाश इंडिया**

झीलों की नगरी में अब दंत चिकित्सा और आधुनिक सौंदर्य उपचार की कई विशेषज्ञ सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। शहर में फर्नवेल्स एस्थेटिक्स एंड डेंटिस्ट्री के अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और विश्वस्तरीय उपकरणों से सुसज्जित यह केंद्र दंत चिकित्सा के साथ एस्थेटिक तथा उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करने से जुड़े उपचारों के लिए विशेष रूप से विकसित किया गया है। केंद्र में अत्याधुनिक तकनीक और अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से मान्यता प्राप्त हाई-टेक मशीनों के माध्यम से विभिन्न उपचार किए जाएंगे। यहां सामान्य एवं विशेषज्ञ दंत चिकित्सा के अलावा लेजर तकनीक से अनचाहे बाल हटाने, चेहरे की सुंदरता निखारने से संबंधित उपचार, त्वचा की विभिन्न एस्थेटिक प्रक्रियाएं, उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करने की चिकित्सा तथा सौंदर्य संबंधी प्लास्टिक सर्जरी की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। फर्नवेल्स एस्थेटिक्स एंड डेंटिस्ट्री की खासियत विभिन्न विशेषज्ञ सेवाओं का एक ही केंद्र पर उपलब्ध होना है, जिससे मरीजों को अलग-अलग उपचार और परामर्श के लिए अनेक स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्र में बाल एवं शिशु दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. चिराग अग्रवाल की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। डॉ. अग्रवाल पिछले कई वर्षों से उदयपुर में दंत चिकित्सा क्षेत्र में सेवाएं दे रहे हैं। डॉ. गरिमा अग्रवाल और डॉ. चिराग अग्रवाल ने उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करने से संबंधित चिकित्सा विज्ञान में यूरोप से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आधुनिक एस्थेटिक मेडिसिन की तकनीकों और उपचार पद्धतियों को केंद्र की सेवाओं में शामिल किया गया है। केंद्र प्रबंधन के अनुसार चिकित्सा सेवाओं में तकनीक के साथ सुरक्षित उपचार, विशेषज्ञ परामर्श और गुणवत्तापूर्ण देखभाल को प्राथमिकता दी जाएगी। मरीज की आवश्यकता के अनुसार उपचार योजना तैयार करने पर भी विशेष जोर रहेगा। फर्नवेल्स एस्थेटिक्स एंड डेंटिस्ट्री का शुभारंभ उदयपुर में दंत चिकित्सा, त्वचा एवं सौंदर्य उपचार तथा एस्थेटिक मेडिसिन के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक नई पहल माना जा रहा है। इससे शहरवासियों को आधुनिक तकनीक आधारित उपचार और विशेषज्ञ सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो सकेंगी। **रिपोर्ट फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'**

# स्वास्तिक प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ, महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन एवं स्वरोजगार को मिला नया मंच

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

महिला स्वरोजगार, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने, महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित घरेलू उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के उद्देश्य से राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के बैनर तले आयोजित दो दिवसीय स्वास्तिक एग्जीबिशन एवं मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष बैद, जिला अध्यक्ष संजय पाण्ड्या, जिला महामंत्री सुभाष बज, विशिष्ट अतिथि समाजसेविका नीतू जैन मुल्तान एवं शकुंतला पाण्ड्या ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जैन धर्म के 20वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ के चित्र के समक्ष राजस्थान जैन सभा, जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, समारोह की दीप प्रज्वलनकर्ता वैश्य महासम्मेलन महिला विंग की जिला अध्यक्ष एवं गुलाबी सखी की संस्थापक अध्यक्ष सारिका जैन सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का तीन बार सामूहिक उच्चारण किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर की ओर से प्रदर्शनी की मुख्य संयोजक मीनाक्षी सोगानी, संयोजक प्रियंका सोनी एवं जिनेश जैन तथा जवाहर नगर-मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन, महामंत्री विनोद जैन एवं विनोद सोगानी ने सभी अतिथियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया।

# व्यापारियों के लिए मेडिएशन सहायक : जस्टिस शुक्ला

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

आज के बदलते दौर में व्यापार एवं उद्योगों से जुड़े अनुबंधों में आर्बिट्रेशन क्लॉज का होना आवश्यक है। यदि हम अपने कॉन्ट्रैक्ट में इसे शामिल करेंगे तो न्यायिक प्रक्रिया में होने वाले विलंब से बचते हुए विवादों का जल्द समाधान प्राप्त कर सकते हैं। विवादों का उत्पन्न होना पीढ़ियों से चला आ रहा है। पहले पंचायतें विवादों का त्वरित निपटारा कर देती थीं, लेकिन आज न्यायपालिका पर बढ़ते भार के कारण मामलों के समाधान में अधिक समय लगता है। यह विचार जस्टिस शुक्ला ने अप्सरा होटल में जीओसीएएल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कार्यक्रम में अध्यक्ष सर्च कौल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि रामराज्य से ही विवादों के निपटारे में मध्यस्थता की परंपरा रही है। आज व्यापारियों को यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें कैट, एफएमसीजी एवं मावा विक्रेता संघ शामिल हैं। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कहा कि व्यापारी जगत मुकदमेबाजी में समय और धन दोनों गंवाता है तथा फैसले आने में वर्षों लग जाते हैं। अनुबंध में आर्बिट्रेशन क्लॉज शामिल करने से समय और धन की बचत के साथ मानसिक तनाव से भी बचा जा सकता है। कार्यक्रम में ईश्वर बाहेती, गौतम कोठारी, संजय पटवर्धन, धर्मेंद्र खंडेलवाल, प्रमोद खंडेलवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सचिव रेनू गुप्ता ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया तथा आभार व्यक्त किया।

# उपन्यास "खाई लगाई" का विमोचन और "धूलकोट" पर हुई चर्चा

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** आदर्श मीडिया की और से राधाकृष्ण लाइब्रेरी में प्रेमलता सोनी के उपन्यास ''खाई लगाई'' का विमोचन हुआ, इसी के साथ मनीष वैद्य के उपन्यास ''धूलकोट'' पर सार्थक चर्चा आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं आलोचक राजाराम भादू ने की, जबकि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिवना प्रकाशन से प्रकाशित प्रेमलता सोनी के उपन्यास ''खाई लगाई'' पर चर्चा करते हुए राजाराम भादू ने कहा कि उपन्यास को पढ़कर पाठक बेचैन हो जाएंगे और यही अच्छे लेखन की पहचान है। वहीं मनीष वैद्य के उपन्यास ''धूलकोट'' को लेकर उन्होंने कहा कि यह पश्चिम के जादुई यथार्थ और भारतीय लोककथा की शैली का फ्यूजन है। डॉ. सत्यनारायण ने दोनों पुस्तकों के शीर्षकों की सार्थकता पर बात करते हुए अपने विचार साझा किए। साहित्य संगोष्ठी में साहित्यकार ज्ञानचंद बागड़ी, प्रेमचंद गांधी, चरण सिंह पथिक, नवल पांडे, तसनीम खान और महेश कुमार ने भी दोनों उपन्यासों के विभिन्न पक्षों पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन पूनम भाटिया ने किया। इस अवसर पर साहित्यकार विनोद भारद्वाज, फारूक आफरीदी, भाग्यम शर्मा, नितिन यादव, स्वतंत्र मिश्र, अनुपम तिवारी, संतोषी, नीलम शर्मा, उज्जला लोहिया, अर्चना श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, शक्ति वैद्य, तनिष्का, भागचंद, सोनू यशराज, प्रमोद और लक्ष्मण सिंह सहित कई साहित्य प्रेमी मौजूद रहे।